सकलडीहा पी जी कालेज, सकलडीहा चन्दौली (उ प्र)

विद्यार्थी पाठ्यक्रम–प्रतिपुष्टि विश्लेषण 2017–2018

शिक्षा प्रक्रिया के तीन ध्रुव होते हैं – शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम। शिक्षक पाठ्यक्रम को वास्तविक रूप से क्रियान्वित करके विद्यार्थियों को अधिगम अनुभव प्रदान करता है। विद्यार्थी ही समस्त शिक्षण प्रक्रिया का केन्द्र बिन्दु होते हैं। इसलिए पाठ्यक्रम के संबंध में विद्यार्थियो के विचारों को भी जानना आवश्यक है।

प्रस्तुत प्रतिपुष्टि विश्लेषण विद्यार्थियो की पाठ्यक्रम के प्रति व्यक्त प्रतिक्रियाओं पर आधरित है जिसका क्रमवार विवरण निम्नवत् है –

86 प्रतिशत विद्यार्थी वर्तमान पाठ्यक्रम को रूचिकर, ज्ञानवर्धक, सहज एवं बोधगम्य मानते हैं जबकि 9 प्रतिशत आंशिक सहमत एवं 3 प्रतिशत असहमत हैं। 78 प्रतिशत विद्यार्थी यह मानते हैं कि पाठ्यक्रम उनके समग्र विकास में सहायक है जबकि 13 प्रतिशत आंशिक सहमत एवं 7 प्रतिशत से अधिक असहमत हैं। अधिकांश विद्यार्थी (88 प्रतिशत से अधिक) यह मानते हैं कि वर्तमान पाठ्यक्रम उनमे नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक है। 72 प्रतिशत विद्यार्थियों की राय में पाठ्यक्रम उनमें व्यावहारिक समझ तथा समस्या समाधान का कौशल विकसित करने में सहायक है। 68 प्रतिशत विद्यार्थियों के अनुसार पाठ्यक्रम उनके लिए जॉब प्राप्ति में लाभदायक एवं प्रासंगिक है, 24 प्रतिशत आशिक सहमत है तथा 8 प्रतिशत इसके विपरीत मत रखते हैं। 69 प्रतिशत विद्यार्थी पाठ्क्रम को लोकतांत्रिक भावनाओं को बढ़ाने मे सहायक मानते हैं। 19 प्रतिशत विद्याार्थी आंशिक सहमत है जबकि 11 प्रतिशत विद्यार्थी पाठ्यक्रम को लोकतांत्रिक भावनाओ को बढ़ाने मे सहायक नहीं समझते हैं। 57 प्रतिशत विद्यार्थी वर्तमान पाठ्क्रम को समावेशी शिक्षा की अवधारणा के अनुरूप मानते हैं, वही 28 प्रतिशत इस कथन से आंशिक सहमति रखते हैं एवं 14 प्रतिशत विद्यार्थी असहमति व्यक्त करते हैं। 63 प्रतिशत विद्यार्थी पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय प्रत्याशाओं की पूर्ति करने वाला मानते हैं जबकि 22 प्रतिशत विद्यार्थी आंशिक तौर पर सहमत हैं और 13 प्रतिशत विद्यार्थी पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय आकाक्षाओं को पूरा करने में नाकाफी मानते हैं।

Convener
IQAC
Sakaldiha P.G. College
Sakaldiha-Chandauli (U.P.)

सकलडीहा पी जी कालेज, सकलडीहा चन्दौली (उ प्र)

पाठ्यक्रम प्रतिपुष्टि विश्लेषण (वर्ष–2017–2018)
(Course Feedback Analysis) (Session – 2017-2018)

शिक्षक प्रतिपुष्टि विश्लेषण

शिक्षक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का नेतृत्वकर्ता होता है। वह अपने ज्ञान एवं शिक्षण कौशल के द्वारा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को निर्देशित एवं नियत्रित करता है और शिक्षार्थियो के व्यवहार में वंछित परिवर्तन लाता है। वांछित व्यवहार परिवर्तन उत्पन्न करने के शिक्षक के प्रयास में पाठ्यक्रम की केन्द्रीय भूमिका है।

प्रस्तुत प्रति विष्लेशण शिक्षकों द्वारा पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में दिये गये पृष्ठपोशण पर आधारित है। 84 प्रतिशत शिक्षकों का मत है कि पाठ्यक्रम रूचिकर, ज्ञानवर्धक, सहज एवं बोधगम्य है। 12 प्रतिशत आंशिक रूप से सहमत है तथा 4 प्रतिशत शिक्षक दिये गये कथन से असहमति व्यक्त करते है। 64 प्रतिशत शिक्षकों की राय में वर्तमान पाठ्यक्रम छात्रों के समग्र विकास में सहायक है, 20 प्रतिशत शिक्षक आंशिक सहमत तथा 16 प्रतिशत असहमत है। 68 प्रतिशत शिक्षक यह मानते हैं कि पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में व्याव हारिक समझ तथा समस्या समाधान का कौशल विकसित करने में सहायक है, 24 प्रतिशत शिक्षक आंशिक रूप से सहमत है तथा 8 प्रतिशत शिक्षक असहमत है। 70 प्रतिशत शिक्षकों की राय है कि वर्तमान पाठ्यक्रम रोजगारपरक है 20 प्रतिशत शिक्षक इस कथन से सहमत तथा 4 प्रतिशत पूर्ण असहमत है। इसी प्रकार अधिकांश शिक्षक (83 प्रतिशत से अधिक) वर्तमान पाठ्यक्रम को लोकतांत्रिक भावनाओं, राष्ट्रीय एकता तथा साम्प्रदायिक सद्भाव को बढ़ाने वाला मानते है। 79 प्रतिशत शिक्षकों ने वर्तमान पाठ्यक्रम को समावेशी शिक्षा के अनुरूप मानते है। 17 प्रतिशत शिक्षक आंशिक सहमत, 4 प्रतिशत शिक्षक असहमत है। 68 प्रतिशत शिक्षक वर्तमान पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय प्रत्याषाओं को पूरा करने वाला समझते है। 32 प्रतिशत शिक्षक कथन से आंशिक रूप से सहमत है।

उपरोक्त प्रतिपुश्टि विष्लेषण से यह से यह स्पष्ट है कि पाठ्यक्रम में सुधार किये जाने की आवष्यकता है जिससे पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में जीवन कौशल का विकास कर सके साथ ही साथ राष्ट्रीय प्रत्याशाओ एवं आकंक्षाओ को पूरा करते हुए राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान दे सके।

Convener
IQAC
Sakaldiha P.G. College
Sakaldiha-Chandauli (U.P.)

पाठ्यक्रम प्रतिपुष्टि विश्लेषण (वर्ष–2017–2018)
(Course Feedback Analysis) (Session – 2017-2018)

(i) अभिभावक (माता–पिता) प्रतिपुष्टि विश्लेषण

प्रथम प्रतिपुष्टि सूची छात्र/छात्राओ को पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम पर उनके अभिभवको के मत की जानकारी से सम्बन्धित है। इस हेतु याद्दच्छिक विधि (Random Method) से चयनित 100 छात्र/छात्राओ के माता–पिता से प्रतिपुष्टि सूची भरवायी गयी।

57 प्रतिशत अभिभावक मानते है कि महाविद्यालय में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम सहज एवं बोधगम्य है, जबकि 26 प्रतिशत अभिभावक इससे आंषिक सहमत एवं 17 प्रतिशत असहमत हैं। 60 प्रतिशत अभिभावक मानते है कि वर्तमान पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक है, जबकि 20 प्रतिशत अभिभावक इससे आंषिक सहमत एवं 20 प्रतिशत असहमत हैं। अधिकांष संख्या में (70 प्रतिशत एवं इससे अधिक) संख्या में अभिभावक मानते हैं कि वर्तमान पाठ्यक्रम छात्रों के नैतिक विकास में सहायक हैं, उनमें समस्या निदान का कौषल विकसित करने में सहायक है, राष्ट्रीय एकता एवं साम्प्रदायिक सद्भवना का विकास करता है तथा समावेषी षिक्षा की अवधारणा को प्रतिबिंबित करता है। 79 प्रतिशत अभिभावक महाविद्यालय में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से संतुश्ट है, जबकि 12.5 प्रतिशत आषिंक एवं 8.33 प्रतिशत बिलकुल संतुष्ट नही है।

विश्लेषण के उपरान्त यह कहा जा सकता है कि वर्तमान पाठ्यक्रम को ग्रामीण छात्रो की आवष्यकतानुसार सहज और बोधगम्य बनाया जाना चाहिए। शिक्षको को अध्यापन के दौरान ऐसा प्रयास करना चाहिए कि विद्यार्थी आसानी से अधिगम अनुभवों को ग्रहण कर सकें।

उपरोक्त बिन्दुवार प्रतिपुष्टियो के अतिरिक्त अभिभावकों से पाठ्यक्रम संदर्भित विशेष सुझाव भी माँगे गये थे। अपने सुझावों के अंतर्गत अधिकांश अभिभावकों ने पाठ्यक्रम को रोजगार परक बनाने पर बल दिया। इसके साथ ही महाविद्यालय में कुछ ऐसे विशिष्ट पाठ्यक्रमों के संचालन को आवश्यक बताया जिनसे छात्र आर्थिक स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ा कर अकादमिक उत्कृष्टता हासिल कर सकें।

Convener
IQAC
Sakaldiha P.G. College
Sakaldiha, Chandauli (U.P.)

सकलडीहा पी जी कालेज, सकलडीहा चन्दौली (उ प्र)

पाठ्यक्रम प्रतिपुष्टि विश्लेषण (वर्ष–2017–2018)
(Course Feedback Analysis) (Session – 2017-2018)

पुरातन–छात्र प्रतिपुष्टि विश्लेषण (2017–2018)

किसी भी शैक्षिक संस्था से शिक्षा प्राप्त कर चुके पुरातन छात्र उस संस्था के अमूल्य निधि होते हैं और इन छात्रों की सफलता महाविद्यालय की प्रगति का द्योतक होती है। पुरातन छात्र किसी भी शैक्षणिक संस्था का गौरवशाली अतीत मात्र ही नहीं होते वरन वे संस्था की भावी प्रगति की आधारशिला भी होते हैं।

प्रस्तुत विश्लेषण सकलडीहा पी जी कालेज, सकलडीहा चन्दौली (उ प्र) के पुरातन छात्रों द्वारा महाविद्यालय के सम्बन्ध में प्राप्त प्रतिपुष्टियो पर आधारित है। 90 प्रतिशत पुरातन छात्र/छात्रा सकलडीहा पी0जी0 कालेज से जुड़कर गौरव महसूस करते है, 70 प्रतिशत छात्र आंशिक सहमत तथा मात्र 2 प्रतिशत पूर्व छात्र/छात्रा असहमत है। 79 प्रतिशत पुरातन छात्र संस्था द्वारा विद्याथियो के समग्र विकास के लिए आयोजित विभिन्न क्रियाकलापो से संतुश्ट दिखे, लगभग 13 प्रतिशत ने आशिंक सहमति तथा 7 प्रतिशत ने असहमति व्यक्त किया। 71 प्रतिशत पूर्व छात्र संस्था के विकास में योगदान देना चाहते है, 19 प्रतिशत इससे आंशिक सहमत दिखे जबकि 9 प्रतिशत ने योगदान देने में असमर्थता जाहिर किये। 80 प्रतिशत पूर्व छात्रों ने यह माना कि संस्था विद्याार्थियो की समस्याओं का अच्छी तरह से समाधान करती है, 15 प्रतिशत पूर्व छात्र अंशिक रूप से सहमत तथा 5प्रतिशत असहमति व्यक्त किये। 78 प्रतिशत पूर्व छात्र संस्था के प्रयोगशाला एवं उपकरणो से संतुष्ट है, 13प्रतिशत अंशिक सहमत तथा 8 प्रतिशत इस कथन से असहमत है। 71 प्रतिशत पुरातन छात्र संस्था द्वारा प्रदान किये गये आतिथ्य से संतुश्ट है, 15 प्रतिशत आंशिक तौर पर सहमत है तथा 12 प्रतिशत पूर्व छात्रो ने प्रदत्त आतिथ्य को बेहतर नहीं मानते। महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कालेज संबंधी सूचनाओ से अवगत होने के संदर्भ में 65 प्रतिशत पूर्व छात्रो ने यह माना कि वेबसाइट उन्हें कालेज की सूचनाओं से अवगत कराती है, 12 प्रतिशत पूर्व छात्रो ने इस कथन से आंशिक रूप से सहमत है जबकि 22 प्रतिशत पूर्व छात्रों ने असहमति व्यक्त किया।